हिंदी विश्वविद्यालय में ‘इडिपस’ नाटक का मंचन

नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के छात्रों की प्रस्तुति

वर्धा दि. 8 नवंबर 2012 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के छात्रों द्वारा यूनानी लेखक सोफोक्लिज द्वारा लिखित ‘इडिपस’ नाटक का मंचन गुरूवार को खचाखच भरे हबीब तनवीर सभागार में किया गया। यूनान में इडिपस नामक राजा पर आधारित इस नाटक में इसा पूर्व लगभग 500 वर्ष पूरानी त्रासदी को दर्शाया गया।

08/11/2012 11:44

यूनान के थीब्स प्रदेश के राजा इडिपस के इर्दगिर्द घूमती नाटक की कहानी को छात्रों ने बखूबी प्रस्तुत कर तत्कालीन समय के कॅनवास को उकेरा। नाटक में दर्शाया गया कि

इडिपस अपने ही पिता लायस का कत्ल कर अपनी मा योकास्टा से शादी करता है। इडिपस का पतन हो जाता है। उसे अपनी ही गलतियों का सबक मिलता है।

यह नाटक उस जमाने की महान त्रासदी का उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग की सहायक प्रोफेसर विधु खरे दास ने इस नाटक की परिकल्पना एवं निर्देशन किया। वह बताती है कि यह नाटक प्रथम छमाही के पाठ्यक्रम में शामिल होने से और इस नाटक में छात्रों की कलाकार के रूप प्रथम बार सहभागिता विशेष महत्व रखती है। नाटक में इडिपस की भूमिका में अशोक बैरागी, सौरभ गुप्ता, आशुतोष चंदन, श्रीकृष्णा पांडे, योकास्टा की भूमिका में शुबिदाधीच, श्वेता क्षीरसागर, टायरेसियस की भूमिका में जफर खान, अंशु कुमार 'आँसू', ने अपने अभिनय द्वारा उपस्थितों को महान त्रासदी की दासताँ दिखाई।

क्रियान -आशुतोष चंदन, अपोलो-श्रीधर पांडेय, खादिम-प्रमोद पांडेय, जफर खान, प्यामबर-आशुतोष चंदन गड़रिया-अंशु कुमार 'आँसू', कोरस-प्रवीण सिंह चौहान, विपिन कुमार, विवेक कुमार, अभिषेक त्रिपाठी, अनन्या नामदेव के अभिनय ने नाटक को जीवंतता प्रदान की। नाटक का मंच प्रबंधन श्रीकृष्ण पांडे, ध्वनि संयोजन विधु खरे, प्रकाश संयोजन अमोल अढाऊ, रूप-सज्जा मनीष कुमार, वस्त्र-विन्यास नीरज उपाध्याय, मनीष कुमार, सुनीता थापा, नृत्य शुबि दाधीच, श्वेता क्षीरसागर, सहायक निर्देशन सौरभ गुप्ता, पोस्टर डिजाइन शुबि दाधीच, ब्रोशर डिजाइन श्रीकृष्ण पांडेय, शुबि दाधीच का था।

इस अवसर पर प्रेक्षक के रूप में प्रमुखता से उपस्थित पद्मा राय ने नाटक की सराहना करते हुए कलाकार एवं नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन विभाग के अध्यापकों सहित कर्मियों को बधाई दी। वहीं कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे व वित्ताधिकारी संजय गवई ने कलाकारों का हौसला बढ़ाया।

सभागार में प्रो. अनिल के राय अंकित, कथाकार एवं अतिथि लेखक संजीव, प्रो. आर. पी. सक्सेना डॉ. विजय कौल, संयुक्ता थोरात, डॉ. रूपेश सिंह, ब्रजेश पंत, डॉ. सतीश पावडे, रयाज हसन, अखिलेश दीक्षित, बी. एस. मिरगे, सुरभि विप्लव, भागवत पटेल, अश्विनी कुमार सिंह सहित विश्वविद्यालय के शोधार्थी एवं विद्यार्थी प्रेक्षक के रूप बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी